डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19	अंक 01	पृष्ठ 4	मन्दसौर	मंगलवार 08 अक्टूबर 2024	मूल्य 2 रुपया

अपनी बात

अपनो के साथ बीते 18 बरस...

अब पितृपुरूष, संस्थापक की अनुपस्थिति में हो रहा प्रकाशन

आज 08 अक्टूबर का समाचार पत्र और स्मारिका गुरु एक्सप्रेस के 18 बरस पूर्ण कर 19वें वर्ष का प्रथम अंक है। इस दौरान आप पाठको, स्नेहीजनो, विज्ञापनदाताओ के सहयोग से हमने कई उतार-चढ़ाव देखे। कई बार विकट परिस्थितियां भी बनीं। लेकिन, आपके द्वारा की हौसला अफजाई और सहयोग से सभी स्थितियो से बाहर निकलने में हम सफल हुए। लेकिन, इस बरस आपके अपने गुरु एक्सप्रेस के संस्थापक हमारे पितृ पुरुष, शिक्षाविद श्री रामकृष्णजी नवाल अपने बीच नहीं है। उन्हें इस धरा से शिवलोक गए अभी दो माह भी पूर्ण नहीं हुए है। अभी तक उनकी छत्रछाया में 'गुरु एक्सप्रेस' नाम का यह पौधा अपनी जड़ो को मजबूत करता रहा है। इसी बीच अचानक बीती 09 अगस्त को हमारे आदर्श, पूज्य पिताश्री का देवलोक गमन हो गया। उनका जाना, हमारे लिए ऐसा घाव है, जिसे जीवनभर नहीं भरा जा सकता है।

हमें विश्वास है कि वे जहां भी है, वहां व्यस्त और मस्त होंगे। उनका आशीर्वाद हमारे उपर, गुरु एक्सप्रेस परिवार पर हमेशा बना रहेगा। हम भी इस अवसर पर उन्हें विश्वास दिलाते है कि उनके बताए रास्ते पर चलते हुए, गुरु एक्सप्रेस हमेशा एक आम मजलूम की आवाज बनने की कोशिश करता रहा है और ताजिंदगी करता रहेगा। इस बरस गुरु एक्सप्रेस प्रकाशन का 19वां वर्ष है। लड़कपन से आगे बढ़ते हुए अब पूर्ण वयस्क होने जा रहा है। हम अपने पाठको, स्नेहीजनो, विज्ञापनदाताओ और सहयोगियो को यह विश्वास दिलाते है कि 'गुरु एक्सप्रेस' कभी भी अपने मिशन, अपने उद्देश्य से नहीं भटकेगा। क्षणिक रूप से भी यदि आपको कहीं ऐसा लगे तो आपको पूरा अधिकार है कि आप हमें टोके, हमारा मार्गदर्शन करें। हम पूरे मनोयोग से आपकी श्रेष्ठ भावनाओ के अनुरुप कार्य करने का प्रयास करेंगे।

आप सभी से पूर्ण सहयोग की अपेक्षा के साथ...

आपका ही सदैव
आशुतोष नवाल
सम्पादक
दैनिक गुरु एक्सप्रेस, मंदसौर

पहले दर्शन किए, फिर चुराई साइकिल

मनासा, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगर के रामपुरा नाके पर स्थित नाहरसिंह माता मंदिर के पास से बदमाश साइकिल चुरा ले गया। आरोपी ने पहले मंदिर में माता के दर्शन किए। इसके बाद बाहर खड़ी साइकिल चुरा ले गया। घटना रविवार सुबह करीब 11 बजे की है। सोमवार को घटना का सीसीटीवी सामने आया है। वीडियो में आरोपी साइकिल लेकर जाता दिख रहा है।

रामपुरा नाके पर मंदिर के पास रहने वाले मोहनदास पिता नंदराम दास बैरागी ने मनासा थाने पर रिपार्ट कराई। मोहनदास ने पुलिस को बताया कि सुबह 11.30 बजे उनकी साइकिल घर के बाहर खड़ी थी। अज्ञात व्यक्ति मंदिर में दर्शन करने के बहाने आया। उसने दर्शन भी किए। इसके बाद साइकिल चुरा ले गया। आसपास काफी तलाश की, लेकिन पता नहीं चला। वहीं, मंदिर के अंदर और बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज देखे, तो उसमें साइकिल चोरी कर जे जाते हुए दिखा है। वहीं, शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मामला भोपाल की बंद फैक्टरी से 1800 करोड़ की ड्रग्स बरामदगी का...

हरीश आंजना निकला बड़ा सप्लायर..!

[प्रेमसुख पाटीदार की तलाश]

मंदसौर, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भोपाल के बांगरोदा की एक बंद पड़ी साबुन बनाने के नाम पर संचालित फैक्ट्री में 1814.18 करोड़ के एमडी ड्रग्स मामले का तीसरे आरोपी मंदसौर जिले के तस्कर हरीश आंजना को गिरफ्तार कर लिया है। उसे रविवार को एटीएस ने उठाया था और सुबह तक पूछताछ चलती रही थी। गिरफ्तार आरोपी हरीश आंजना पर आरोप है कि भोपाल की फैक्ट्री में बनने वाले ड्रग्स को मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में सप्लाय करता था। गुजरात एटीएस की टीम ने मंदसौर पुलिस के सहयोग से माल्याखेरखेड़ा के हरीश आंजना को उसके घर से पकड़ा था। हरीश आंजना को भोपाल पुलिस के इनपुट के आधार पर गुजरात एटीएस ने गिरफ्तार किया है। हरीश आंजना पुराना ड्रग सप्लायर और इस गिरोह में शामिल है। मामले में दो आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। वहीं एक अन्य आरोपी प्रेम पाटीदार को एटीएस व पुलिस तलाश रही है। मंदसौर में रतलाम रेंज के डीआईजी मनोज कुमार सिंह ने सोमवार को मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि भोपाल में जो ड्रग्स की फैक्ट्री पकड़ी गई थी, उसमें आरोपी हरीश आंजना की भी भूमिका सामने आई थी। इसके बाद रविवार रात को गुजरात एटीएस टीम ने मंदसौर पुलिस की मदद से माल्या खेरखेड़ा गांव से हरीश आंजना को गिरफ्तार किया।

ड्रग्स का बड़ा सप्लायर हरीश– फैक्ट्री में तैयार ड्रग्स की सप्लाय लाईन को प्रदेश के साथ ही समीपवर्ती राज्यो की सबसे बड़ी सप्लाय चेन माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार पूछताछ के दौरान हरीश आंजना ने कबूल किया कि एमडीएम ड्रग बनाने में उपयोग आने वाला केमिकल गुजरात और महाराष्ट्र के रास्ते वही सप्लाई करता था। उसने यह भी बताया कि उसने मंदसौर निवासी प्रेम पाटीदार से भी ड्रग्स की सप्लाई ली थी। इसके अलावा राजस्थान के अन्य तस्करों के भी मामले से जुडे हुए सामने आए है। प्रेम पाटीदार को पुलिस तलाश रही है।

हो सकते हैं चौकाने वाले खुलासे– टीम ने फैक्ट्री से ड्रग्स बनाने का 5000 किलो रॉ मटेरियल और उपकरण जप्त किए हैं। बता दें कि आज सोमवार को भी टीम भोपाल में मौजूद है और इन्वेस्टिगेशन जारी है। बताया जा रहा है कि इस मामले में कई बड़े और चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं। 2500 वर्गफीट के शेड में फैक्ट्री 6 माह से चल रही थी। बताया जा रहा है कि आरोपी रोजाना 25 किलो ड्रग्स बनाकर दूसरे राज्यों में सप्लाई करते थे।

ड्रग्स पर एमपी में यह सबसे बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले 2021 में इंदौर में 70 करोड़ की एमडी ड्रग्स पकड़ाई थी। इस कार्रवाई से एमपी पुलिस की कार्यशैली सवालों के घेरे में आ गई है।

जयदीप और एके सिंह पर हुई एफआईआर– कटारा हिल्स थाना प्रभारी बिजेंद्र निगम ने बताया कि 2022 में जयदीप सिंह के नाम से जमीन आवंटन किया गया था। उसने फर्नीचर फैक्ट्री के नाम से जमीन खरीदी थी। बाद में 2023 में उसे एके सिंह को बेच दी थी। इस दौरान उन्होंने पुलिस सत्यापन नहीं कराया था। पुलिस ने बीएनएस की धारा 223 के तहत दोनों पर कार्रवाई की है।

कांग्रेस का सवाल– क्या कर रहे मुख्यमंत्री– भोपाल में एमडी ड्रग का कारखाना पकड़े जाने के बाद कांग्रेस ने सरकार को घेरा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि यदि राजधानी भोपाल में ही ड्रग की फैक्ट्री चल रही थी तो गृह मंत्री के रूप में आप (मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव) क्या कर रहे हैं।

अपराधियों पर हो सख्त कार्रवाई–देवड़ा

गुजरात पुलिस और मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा पकड़े गए बड़े ड्रग मामले के आरोपियों के साथ कांग्रेस द्वारा अपनी तस्वीर पोस्ट किए जाने के बाद मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा, 'कई लोग सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन में रहने वाले लोगों के साथ फोटो खिंचवाते हैं। क्या फोटो खिंचवाने से कोई अपराधी बच सकता है? नहीं। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पार्टी और मेरा ऐसे अपराधियों से कोई संबंध नहीं है। आरोप लगाने वाली कांग्रेस को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए।

हरीश के साथियों से पूछताछ जारी...

सिंथेटिक ड्रग्स एमडी के मामले में हरीश आंजना की गिरफ्तारी तो रविवार शाम को ही हो गई थी। लेकिन, उससे मंदसौर में ही लंबी पूछताछ की गई। जानकारो की माने तो मंदसौर पुलिस को यह निर्देश दिए गए थे कि हरीश के इनपुट पर कार्यवाही करें। इसलिए उसे शाम से रात और फिर सुबह से लेकर दोपहर तक मंदसौर में रोका ही इसीलिए गया था कि उससे विस्तृत पूछताछ कर उसके साथियो को भी घेरा जा सके, जो उसके साथ रहकर उसके सप्लाय नेटवर्क के लिए कार्य करते थे। यही कारण है कि प्रेमसुख पाटीदार, गोपाल जाट, शोएब सहित कई लोगो से पूछताछ की गई और कई अन्य को हिरासत में लिया हुआ है। इधर राजस्थान के बदमाश लाला पठानो से भी हरीश के संपर्क का पता चला है। जिसके बाद पुलिस ने अखेपुर, देवलजी सहित अन्य ठिकानो पर दबिश दी। हालांकि, वहां से ज्यादा कुछ तो पुलिस को नहीं मिला है। लेकिन, नए पुलिस कप्तान की स्टडी के चलते आगामी भविष्य में इसके अच्छे परिणाम देखे जा सकते है।

क्या मुगालते में था हरीश या था नशे में...

इतने बड़े घटनाक्रम में यह बात किसी को समझ नहीं आ रही है कि यदि हरीश आंजना का इस मामले में सीधे कनेक्शन था तो क्या वह मुगालते में था या नशे में था। जब, सुबह से ही प्रादेशिक और नेशनल चेनल पर इतनी बड़ी खबर ब्रेक हो गई थी तो वह इतनी बेफिक्री से घर पर क्यों था। उसे तो खबर मिलते ही अंडर ग्राउंड हो जाना चाहिए था। बताते है कि उसका साथी प्रेमसुख पाटीदार हरीश के घर दबिश से कुछ समय पहले तक उसके साथ ही था। जब हरीश को एटीएस द्वारा हिरासत में लिए जाने की खबर मिली, तब वह अंडर ग्राउंड हुआ। हालांकि, उसे भी पुलिस और अन्य एजेंसिया दबोच ही लेगी। लेकिन, जानकारो की माने तो कहीं न कहीं हरीश ओवर कान्फिडेंस में था। और यही मुगालते उसे 12 ताणी के पीछे ले गया? वैसे यह भी कहते है कि वह चीलम सहित अन्य नशा करने लगा था। इसलिए उसे सम्पट ही नहीं पड़ी और वह काम में आ गया।

क्या है एमडी ड्रग...

एमडी ड्रग का रासायनिक नाम मिथाइल डाइआक्सी मेथएम्फेटामीन है। यह सिंथेटिक ड्रग है, जो टैबलेट और पावडर के रूप में मिलता है। इसका नशा लगभग छह घंटे तक रहता है। नशा करने वाले को उत्तेजना आती है। उसे आनंद आता है।

मंदसौर पुलिस की नाकामयाबी..!

अंधेरे का फायदा, कुरियर चढ़ते रहे हत्थे, बड़ा खिलाड़ी पुलिस को नहीं आया नजर

मंदसौर, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर फरार... कहां से मादक पदार्थ लाया गया था, उसकी तलाश जारी... तस्करी का मुख्य आरोपी पुलिस की पहुंच से बाहर.. जैसी खबरें आए दिन पढ़ने को मिलती है। इससे विशेषकर मादक पदार्थो की तस्करी के मामलों में पुलिस हमेशा सवालों से घिरी रहती है। कई मामलों में पुलिस वालों पर जांच भी बैठी, लेकिन कोई खास कार्रवाई नहीं हो पाई। उधर भोपाल में पकड़ाई फैक्टरी से 1800 करोड़ की ड्रग्स के मामले में मंदसौर जिले के आरोपी हरीश आंजना की गिरफ्तारी के बाद पुलिस पर कई सवाल खड़े होने लगे हैं। विशेषकर तब जब यह सामने आ रहा है कि प्रदेश में ड्रग्स की सप्लाय का मुख्य काम हरीश आंजना के पास था।

मंदसौर के रास्ते नहीं, मंदसौर से सप्लाय..!

अभी तक माना जा रहा था कि राजस्थान से मंदसौर के रास्ते अन्य शहरों से ड्रग्स सप्लाय हो रहा है। लेकिन, ड्रग्स फैक्टरी कांड में हरीश आंजना का नाम सप्लायर की भूमिका में सामने आने के बाद यह साफ हो गया है कि कहीं न कहीं मंदसौर से हरीश के नेतृत्व में ही ड्रग्स प्रदेश के अन्य हिस्सों में सप्लाय हो रही थी। यह भी हो सकता है कि मंदसौर से भी ड्रग्स का सप्लाय राजस्थान और अन्य क्षेत्रों में हो रहा हो। यह गुजरात एटीएस की जांच का विषय है। इस मामले में भी हरीश से पूछताछ की जा रही है।

कुरियर पकड़कर वाह-वाही लूटती पुलिस...

सत्तर फिसदी तस्करी के मामले में पुलिस के हत्थे सिर्फ कुरियर ही चढ़ रहे हैं। मुख्य तस्कर चाहे पंजाब का हो या हरियाणा का या फिर मंदसौर जिले का, पुलिस उस तक कम ही मामलों में पहुंच पाती है। कहीं न कहीं पुलिस की नाकामयाबी ही इससे साबित हो रही है। हरीश आंजना जैसा बड़ा तस्कर पुलिस की नजर में नहीं आया। गुजरात एटीएस की कार्रवाई के बाद यह चर्चा का विषय है।

यही है अंधेरे का फायदा..!

अभी तक तस्करी के मामले में मौके से आरोपियो के अंधेरे या झाड़ियो का फायदा उठाकर फरार होने के कई मामले सामने आ चुके हैं। जिले में इतने बड़े ड्रग्स सप्लायर तक पुलिस की निगाहें नहीं गई। यही कारण है कि अंधेरे के फायदे के मामले में पुलिस हमेशा आरोपों के घेरे में रही है।

माल और दूरी के हिसाब से तय होते...

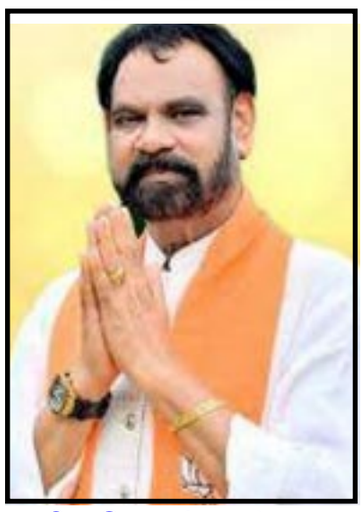

कुरियर मतलब एक अन्य व्यक्ति दस हजार से एक लाख रुपए लेकर माल लाने ले जाने का काम कर रहा है। महज 10 हजार के चक्कर में दस साल के लिए अंदर जा रहा है। माल और दूरी के हिसाब से कुरियर के रेट तय होते हैं। बड़े तस्कर या मुख्य तस्कर स्वयं बहुत कम तस्करी करते हैं। जिसके चलते अवैध मादक को इधर से उधर करने के लिए कुरियर को चुनते हैं और उसे अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के लिए रुपए देते हैं। इसमें कुरियर को 10 हजार से लेकर एक लाख रुपए तक दिए जाते हैं। इसमें कुरियर कितनी दूरी पर जाएगा। उसके हिसाब से तो कभी अवैध मादक पदार्थ की मात्रा सहित अन्य कारणों से उसके रूपए तय किए जाते हैं। तस्करी में कभी कभी कुरियर के साथ एक सहायक कुरियर को भी भेजा जाता है। जिसको 10 से 25 हजार रुपए दिए जाते हैं।

विचार-मंथन

नई योजनाओं से किसानों की किस्मत में सुधार की उम्मीद

बढ़ती आबादी के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती है। जलवायु परिवर्तन का प्रतिकूल प्रभाव सबसे अधिक खेती-किसानी पर देखा जा रहा है। हर वर्ष अन्न उत्पादन बढ़ाने की राह में मुश्किलें बढ़ रही हैं। ऐसे में कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन की दरकार महसूस की जाती रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की कृषि क्षेत्र के लिए एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की दो नई परियोजनाओं को मंजूरी मिलने से स्वाभाविक ही इस क्षेत्र में कुछ बेहतरी की उम्मीद जगी है। टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के मकसद से सरकार ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और कृषोन्नति योजना नामक दो नई योजनाएं शुरू की हैं। हालांकि इस क्षेत्र के लिए पहले से कई योजनाएं चल रही हैं। कृषि कर्ज और फसल बीमा को सुविधाजनक बनाया गया है। किसानों की प्रोत्साहन राशि बढ़ा कर छह हजार से दस हजार रुपए प्रति वर्ष कर दी गई है। इनके बीच दो नई योजनाएं शुरू होने से खेती-किसानी में कुछ बेहतरी की संभावना बन सकती है। सरकार ने इस वर्ष तक किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा किया था। वह वादा पूरा तो नहीं हो पाया, पर कुछ तरक्की के संकेत जरूर मिले हैं। देखना है, नई योजनाएं इस वादे को पूरा कर पाने में कितनी और कहां तक मददगार साबित होती हैं। सरकारी दावों के बरक्स जमीनी हकीकत कुछ अलग है। स्थिति यह है कि खेती लंबे समय से घाटे का उद्यम बन चुकी है। बहुत सारे क्षेत्रों में सिंचाई की उचित सुविधा उपलब्ध नहीं है। वहां किसानों की मानसून पर निर्भरता है। फिर, खेती में लागत काफी बढ़ गई है। बीज, उर्वरक और कीटनाशकों आदि की कीमतें बहुत सारे किसानों की पहुंच से बाहर हो चुकी हैं। फसलों के उचित दाम नहीं मिल पाते। लागत और लाभ में काफी अंतर है। कुछ फसलें लागत से भी कम कीमत पर बेचनी पड़ती हैं। सरकार हर वर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा तो करती है, मगर उस कीमत पर भी अनाज बाजार में नहीं बिक पाता। बिचौलिए उससे काफी कम कीमत पर फसल खरीदते हैं। नगदी फसल उगाने वाले किसानों को अक्सर अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कभी मौसम की मार से फसलें चौपट हो जाती हैं, तो कभी बाजार में उतार और मांग कम होने के कारण उन्हें औने-पौने दाम पर फसल बेचनी पड़ती है। हर वर्ष किसानों को प्रतिरोध में फसलें सड़कों पर फेंकते देखा जाता है। इस स्थिति से पार पाने में ये योजनाएं कितनी सफल होंगी, यही उनकी कसौटी होगी। किसान लगातार मांग करते रहे हैं कि स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू किया जाए। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी दी जाए और इसके दायरे में और फसलों को लाया जाए। इस मांग को लेकर किसान लंबे समय तक आंदोलन भी कर चुके हैं। मगर इस पर सरकार का रुख सकारात्मक नहीं देखा गया। सरकार कृषि को व्यवसाय का दर्जा देने की बात सैद्धांतिक रूप से तो करती रही है, मगर व्यावहारिक स्तर पर उसकी कृषि नीतियां प्रश्नों के दायरे में बनी रही हैं। दरअसल, किसानों की समस्या तदर्थ उपायों से दूर नहीं होने वाली। टिकाऊ कृषि के लिए व्यापक स्तर पर और व्यावहारिक उपाय करने की जरूरत है। इसके लिए उत्पादन, भंडारण, विपणन आदि खेती-किसानी के हर पहलू पर भरोसेमंद कदम उठाने होंगे। नई योजनाएं इस जरूरत को कहां तक पूरा कर पाएंगी, देखने की बात है।

चागोस द्वीप समूह पर मॉरीशस-ब्रिटेन समझौते का भारत के लिए महत्व

अरुणिम भुयान

भारत के लिए चागोस द्वीप समूह पर मॉरीशस की संप्रभुता को वापस करने के लिए ब्रिटेन और मॉरीशस के बीच समझौता हुआ है. हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखने में नई दिल्ली की भूमिका के लिहाज से यह बहुत महत्वपूर्ण है. इस संबंध में विदेश मंत्रालय ने गुरुवार देर शाम जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, +हम डिएगो गार्सिया सहित चागोस द्वीपसमूह पर मॉरीशस की संप्रभुता को वापस करने के लिए यूनाइटेड किंगडम और मॉरीशस के बीच हुए समझौते का स्वागत करते हैं+ मंत्रालय ने कहा कि यह मॉरीशस के विउपनिवेशीकरण को पूरा करता है. अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुपालन में दो साल की बातचीत के बाद लंबे समय से चले आ रहे चागोस विवाद का समाधान एक स्वागत योग्य विकास है. मंत्रालय ने दोहराया कि भारत ने चागोस पर संप्रभुता के लिए मॉरीशस के दावे का लगातार समर्थन किया है, जो कि विउपनिवेशीकरण पर इसके सैद्धांतिक रुख और राष्ट्रों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए समर्थन के साथ-साथ मॉरीशस के साथ इसकी दीर्घकालिक और घनिष्ठ साझेदारी के अनुरूप है. बयान में आगे कहा गया है, +भारत समुद्री सुरक्षा और संरक्षा को मजबूत करने और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और समृद्धि बढ़ाने में योगदान देने के लिए मॉरीशस और अन्य समान विचारधारा वाले साझेदारों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है. ब्रिटिश फॉरेन ऑफिस ने भी इस डील पर बयान जारी किया, +ऐतिहासिक संप्रभुता के दावों को निपटाने, हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने और संभावित अवैध प्रवास मार्ग को बंद करने के लिए यह डील डिएगो गार्सिया पर यूके-यूएस सैन्य अड्डे के दीर्घकालिक सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करता है, जो अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा है. इसने कहा, +समझौते को संयुक्त राज्य अमेरिका सहित अंतरराष्ट्रीय भागीदारों का पुरजोर समर्थन प्राप्त है, जो रणनीतिक सैन्य अड्डे का संयुक्त संचालन करता है.+ इसने यह भी स्पष्ट किया कि समझौते के तहत मॉरीशस बीआईओटी पर संप्रभुता ग्रहण करेगा और ब्रिटेन को डिएगो गार्सिया पर मॉरीशस के संप्रभु अधिकारों का प्रयोग करने का अधिकार होगा. वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी चागोस द्वीपसमूह पर मॉरीशस और यूके के बीच हुए समझौते का स्वागत किया है. बाइडेन ने कहा, +यह एक स्पष्ट प्रदर्शन है कि कूटनीति और साझेदारी के माध्यम से, देश शांतिपूर्ण और पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणामों तक पहुंचने के लिए लंबे समय से चली आ रही ऐतिहासिक चुनौतियों को पार कर सकते हैं.+ उन्होंने कहा, +यह समझौता चागोस द्वीपसमूह पर मॉरीशस की संप्रभुता की पुष्टि करता है, जबकि यूनाइटेड किंगडम को डिएगो गार्सिया के संबंध में मॉरीशस के संप्रभु अधिकारों का प्रयोग करने का अधिकार देता है.चागोस द्वीपसमूह, मालदीव द्वीपसमूह से लगभग 500 किमी दक्षिण में हिंद महासागर में 60 से अधिक द्वीपों से मिलकर बने सात एटोल का एक समूह है. द्वीपों की यह चैन चागोस-लैकाडिव रिज का सबसे दक्षिणी द्वीपसमूह है, जो हिंद महासागर में एक लंबी पनडुब्बी पर्वत श्रृंखला है. इसके उत्तर में सॉलोमन द्वीप, नेल्सन द्वीप और पेरोस बनहोस हैं. इसके दक्षिण-पश्चिम में थ्री ब्रदर्स, ईगल द्वीप, एग्मोंट द्वीप और डेंजर द्वीप हैं; इनके दक्षिण-पूर्व में डिएगो गार्सिया है, जो अब तक का सबसे बड़ा द्वीप है. सभी निचले एटोल हैं, कुछ बेहद छोटे उदाहरणों को छोड़कर, जो लैगून के आसपास स्थित हैं. यह द्वीपसमूह अपनी समृद्ध समुद्री जैव विविधता के लिए जाना जाता है, जिसमें प्रवाल भित्तियां, मछलियां और अन्य समुद्री जीवन शामिल है. द्वीपों के आस-पास का पानी दुनिया की सबसे स्वस्थ प्रवाल भित्तियों में से एक है. द्वीपों में कई तरह की पक्षी प्रजातियां और नारियल के केकड़े पाए जाते हैं, हालांकि स्थलीय जैव विविधता अपेक्षाकृत सीमित है. चागोस द्वीप 1700 के दशक से चागोसियों का घर था, जिन्हें अफ्रीका और भारत से फ्रांसीसियों द्वारा गुलाम बनाकर लाया गया था, जो बोर्बोनेस क्रियोल भाषी लोग थे, जब तक कि ब्रिटेन ने 1967 और 1973 के बीच अमेरिका के अनुरोध पर उन्हें द्वीपसमूह से निष्कासित नहीं कर दिया ताकि वाशिंगटन को ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र में ब्रिटेन की सेना से पट्टे पर ली गई भूमि पर डिएगो गार्सिया पर एक सैन्य अड्डा, नेवल सपोर्ट फैसिलिटी डिएगो गार्सिया बनाने की अनुमति मिल सके. 1971 से केवल डिएगो गार्सिया के एटोल में ही लोग रहते हैं और वह भी केवल अमेरिकी सेना के कर्मचारी, जिनमें अमेरिकी नागरिक अनुबंधित कर्मी भी शामिल हैं. निष्कासन के बाद से, चागोसियों को, ब्रिटेन या अमेरिकी सरकारों द्वारा अनुमति नहीं दिए जाने वाले अन्य सभी लोगों की तरह, द्वीपों में प्रवेश करने से रोक दिया गया है. चागोस द्वीपसमूह पर संप्रभुता को लेकर मॉरीशस और यूके के बीच विवाद था. 1965 में यूके ने द्वीपसमूह को मॉरीशस से अलग कर दिया था, जो 1968 में मॉरीशस को स्वतंत्रता मिलने से तीन साल पहले था. द्वीपसमूह के अलग होने और उसके बाद की स्थापना को मॉरीशस ने अंतरराष्ट्रीय कानून और इसकी क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन बताते हुए चुनौती दी है. मॉरीशस ने बार-बार कहा है कि चागोस द्वीपसमूह उसके क्षेत्र का हिस्सा है और यूके का दावा स्वतंत्रता से पहले औपनिवेशिक क्षेत्रों के विघटन पर प्रतिबंध लगाने वाले संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों का उल्लंघन है. 22 मई, 2019 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक गैर-बाध्यकारी प्रस्ताव को अपनाया जिसमें घोषणा की गई कि द्वीपसमूह मॉरीशस का हिस्सा था, भारत सहित 116 देशों ने मॉरीशस के पक्ष में मतदान किया जबकि छह ने इसका विरोध किया. ब्रिटेन सरकार ने घोषणा की थी कि उसे चागोस पर अपनी संप्रभुता के बारे में +कोई संदेह नहीं+ है, फिर भी उसने यह भी कहा था कि सैन्य उद्देश्यों के लिए द्वीपों की आवश्यकता समाप्त हो जाने पर चागोस को मॉरीशस को वापस कर दिया जाएगा . साथ ही 3 नवंबर, 2022 को यह घोषणा भी की गई कि ब्रिटेन और मॉरीशस ने अंतर्राष्ट्रीय कानूनी कार्यवाही को ध्यान में रखते हुए ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र पर संप्रभुता पर बातचीत शुरू करने का फैसला किया है. भारत ने चागोस द्वीपसमूह पर मॉरीशस के दावे का लगातार समर्थन किया है, जो नई दिल्ली की व्यापक विदेश नीति के सिद्धांतों जैसे उपनिवेशवाद से मुक्ति, संप्रभुता और साथी विकासशील देशों के साथ एकजुटता के अनुरूप है।

रिश्तों में उपेक्षा और विश्वास की कमी...

मोनिका राज

किसी से उपेक्षित होना किसी भी रिश्ते में सबसे खतरनाक स्थिति होती है। यह वह स्थिति है जब किसी एक व्यक्ति को यह महसूस होने लगता है कि उसका साथी उसकी भावनाओं, आवश्यकताओं और इच्छाओं को महत्त्व नहीं दे रहा है। उपेक्षा धीरे-धीरे रिश्ते को अंदर से कमजोर कर देती है। कामकाजी जीवन, सामाजिक दायित्वों और व्यक्तिगत लक्ष्यों के बीच संतुलन बनाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य हो सकता है। इससे संबंधों में समय की कमी होने लगती है, जो आखिर उपेक्षा का कारण बनता है। कई बार व्यक्ति अपने जीवन में इतना आत्म-केंद्रित हो जाता है कि वह अपने साथी की भावनाओं और आवश्यकताओं को नजरअंदाज करता जाता है। वह अपने सपनों, इच्छाओं और लक्ष्यों को पूरा करने में इतना व्यस्त हो जाता है कि उसके साथी को महसूस होने लगता है कि उनकी उपेक्षा हो रही है। एक बात यह भी है कि समय के साथ लोगों की प्राथमिकताएं बदलती हैं, जिसका असर कई बार स्पष्ट दिखने लगता है। मसलन, शादी के शुरुआती वर्षों में जो व्यक्ति अपने साथी के साथ अधिक समय बिताता था, वह बाद में अपने करियर या अन्य गतिविधियों में इतना खो जाता है कि उसका साथी उपेक्षित महसूस करने लगता है। अपने कामकाज के लिए हम किसी अपने की उपेक्षा करके उसका दिल तो दुखा देते हैं, पर उसका प्रभाव गहरा होता जाता है। यह व्यक्ति के आत्मसम्मान को चोट पहुंचा सकता है और उसे अपने आप में संदेह करने पर मजबूर कर सकता है। उपेक्षा से व्यक्ति के भीतर अकेलेपन की भावना पनप सकती है, जिससे वह मानसिक और भावनात्मक रूप से अस्थिर हो सकता है। लंबे समय तक उपेक्षा सहने से व्यक्ति रिश्ते में रुचि खोने लगता है और रिश्ते में दरार पड़ने लगती है। इस तरह के दरार को पाटने के लिए एक दूसरे पर विश्वास होना आवश्यक है। विश्वास किसी भी रिश्ते की नींव होता है। यह वह धागा है जो दो लोगों को आपस में जोड़ता है, लेकिन जब इस धागे में दरार आ जाती है, तो रिश्ते का टूटना तय होता है। अक्सर देखा गया है कि कई बार व्यक्ति के अतीत में हुए धोखे और धोखाधड़ी के अनुभव उसे नए रिश्ते में विश्वास करने से रोकते हैं। उसे डर रहता है कि वही इतिहास दोहराया न जाए। और इस डर के कारण वह अपने साथी पर पूरी तरह से विश्वास नहीं कर पाता। असुरक्षा की भावना भी विश्वास की कमी का एक प्रमुख कारण है। व्यक्ति को लगता है कि उसका साथी उसे छोड़ सकता है या धोखा दे सकता है। यह भावना उसे अपने साथी पर विश्वास करने से रोकती है और वह संदेह की दृष्टि से अपने साथी को देखने लगता है। कई बार छोटी-छोटी गलतफहमियां भी बड़े विवाद का रूप ले लेती हैं। जब दो लोगों के बीच संवाद की कमी होती है, तो वे एक-दूसरे के बारे में गलत धारणाएं बना लेते हैं। ये गलतफहमियां विश्वास की कमी का कारण बनती हैं। जब रिश्ते में विश्वास की कमी होती है, तो व्यक्ति को अपने साथी के हर कार्य पर संदेह होने लगता है। वह साथी के फोन, संदेश, ईमेल आदि की जांच करने लगता है। यह संदेह और असुरक्षा की भावना धीरे-धीरे रिश्ते को अंदर से कमजोर कर देती है। विश्वास की कमी से रिश्तों में कड़वाहट पैदा हो जाती है, जो धीरे-धीरे रिश्ते के टूटने का कारण बनती है। संवाद और संचार किसी भी रिश्ते का बुनियादी आधार होता है। अगर रिश्ते में उपेक्षा बढ़ रही हो और विश्वास की कमी हो रही हो, तो सबसे पहले दोनों पक्षों को खुलकर बातचीत करनी चाहिए। अपनी भावनाओं, चिंताओं और समस्याओं को एक-दूसरे के सामने रखना चाहिए, ताकि गलतफहमियां दूर हों और रिश्ते में मजबूती आए। उपेक्षा से बचने के लिए दोनों पक्षों को एक-दूसरे के लिए समय निकालना चाहिए, चाहे वह कुछ मिनट के लिए फोन पर बातचीत हो या संवेदना के खोए सूत्रों को फिर से जोड़ना। यह महत्वपूर्ण है कि एक-दूसरे के साथ समय बिताया जाए। आत्म-जागरूकता रिश्ते में सुधार लाने का एक महत्वपूर्ण जरिया है। अगर किसी को लगता है कि वह अपने साथी की उपेक्षा कर रहा है या उस पर विश्वास नहीं कर रहा है, तो उसे अपने व्यवहार का विश्लेषण करना चाहिए। कारणों की खोज के बाद उसे सुधारने के लिए कदम उठाने चाहिए।यह ध्यान रखने की जरूरत है कि दो लोगों के बीच कुछ गलतियां होना स्वाभाविक है, लेकिन माफी मांगने और माफ करने से रिश्ते में विश्वास की भावना फिर से स्थापित होती है। एक-दूसरे की सराहना करना भी रिश्ते को मजबूत करने का एक कारण बनता है।

वक्फ प्रबंधन का काम राज्यों के जिम्मे छोड़ दिया जाए

केंद्र सरकार और मुस्लिम समुदाय के बीच कलह की ताजा वजह इस साल अगस्त में संसद में पेश दो वक्फ (संशोधन) विधेयक हैं। उनके घोषित और कथित मकसद की सत्यता का आकलन देश में वक्फ प्रबंधन के इतिहास को ध्यान में रखते हुए ही किया जाना है। वक्फ, एक अरबी इजहार है, जो मजहबी और धर्मार्थ मकसदों से दान की गई संपत्ति को दर्शाता है। यह उपहार, दान या वसीयत से हासिल होता है। इस मायने में मस्जिद, दरगाह और कब्रिस्तान भी वक्फ हैं। भारत में तीर्थ प्रबंधन का कानूनी नियमन ब्रिटिश हुकूमत के दौरान धर्मार्थ और धार्मिक ट्रस्ट अधिनियम 1920 के साथ शुरू हुआ था, जो सभी समुदायों पर लागू हुआ। तीन साल बाद इस क्षेत्र में पहला समुदाय विशेष कानून आया- मुसलमान वक्फ अधिनियम 1923। भारत सरकार अधिनियम 1935 ने धार्मिक व धर्मार्थ बंदोबस्ती को केंद्रीय व प्रांतीय विधायिकाओं के समवर्ती क्षेत्राधिकार में रखा। इसके बाद बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में स्थानीय वक्फ अधिनियम बनाए गए। स्वतंत्रता के बाद, भारत के संविधान ने धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती को एक साथ केंद्र व राज्य विधानमंडलों के हाथों में सौंप दिया। हालांकि, संसद ने हिंदू मंदिरों के प्रबंधन को विनियमित करने के लिए कभी भी कोई केंद्रीय कानून नहीं बनाया और इसे पूरी तरह से राज्यों पर छोड़ दिया। इस विषय पर स्थानीय कानूनों का अधिनियमन बिहार हिंदू धार्मिक ट्रस्ट अधिनियम और मद्रास हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम के साथ शुरू हुआ, जो 1950-51 के दौरान लागू किया गया। अब अधिकांश राज्यों में ऐसे ही कानून हैं। प्रमुख मंदिरों के प्रबंधन के लिए कुछ राज्यों में विशेष कानून भी लागू हैं। ओडिशा में जगन्नाथ मंदिर, वाराणसी में काशी विश्वनाथ, तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर और जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णोदेवी जैसे प्रमुख मंदिरों के विशेष कानून लागू हैं। मुस्लिम समुदाय के लिए संसद ने 1954 में एक सामान्य वक्फ अधिनियम बनाया था और 1955 में देश के सबसे बड़े मुस्लिम धर्मस्थल- अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह के प्रबंधन के लिए खास कानून बनाया। साल 1984 में वक्फ कानून में संशोधन हुआ और 1995 में भी संसद ने नया व्यापक वक्फ कानून बनाया। फिर 2013 में वक्फ अधिनियम 1995 में बड़े पैमाने पर संशोधन किए गए। कानून में भारी बदलाव के अलावा वक्फ शब्द की वर्तनी को बदल दिया गया, जो गैर-जरूरी था और इससे भयानक भ्रम पैदा हुआ। वक्फ संबंधी कानून में साल 2014 और 2019 में भी बदलाव हुए। कुल मिलाकर, वक्फ प्रबंधन से जुड़े भारतीय कानून दयनीय हालत में हैं। इसके चलते भी न्यायालयों में विवादों का अंबार है। बहरहाल, आज यह दावा करना कि किसी समुदाय के धार्मिक स्थलों के प्रबंधन में कोई भ्रष्टाचार नहीं है, हकीकत से आंखें मूंदने जैसा है। वक्फ के अधिकार व संसाधनों का दुरुपयोग हुआ है। ऐसे में, राज्य मूकदर्शक बनकर नहीं बैठा रह सकता। किसी भी समुदाय की यह धारणा कि उसके धार्मिक स्थलों को भारत के संविधान के तहत स्वतंत्रता, सुरक्षा प्राप्त है, पूरी तरह निराधार है, क्योंकि यह स्वतंत्रता बिना शर्त नहीं है। नागरिकों का धार्मिक स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार राज्य को किसी भी आर्थिक नियमन या प्रतिबंध के लिए कानून बनाने से नहीं रोकता है। पिछले कुछ वर्षों में 1995 के वक्फ अधिनियम में संशोधन करने या उसे निरस्त करने के लिए कदम उठाए गए हैं और इसी मकसद से केंद्र सरकार दो नए विधेयक लेकर आई है। पहले का मकसद 1923 के पुराने मुसलमान वक्फ अधिनियम को निरस्त करना है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5380

	4	7			3			5
			6	8	7		4	
			2	4		9		7
		6					1	8
				1				
2	7					5		
8		5		6	1			
	9		8	5	2			
1			9			8	5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5379

1	4	7	9	5	3	8	2	6
9	5	3	8	6	2	4	7	1
6	2	8	1	7	4	9	5	3
3	6	9	7	1	8	5	4	2
4	1	2	3	9	5	6	8	7
7	8	5	4	2	6	1	3	9
2	9	1	5	8	7	3	6	4
5	3	6	2	4	1	7	9	8
8	7	4	6	3	9	2	1	5

वर्ग पहेली 5380

संकेत: बाएं से दाएं

[illegible]

ऊपर से नीचे

[illegible]

वर्ग पहेली 5379 का हल

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

77वें समागम की सेवाओं का विधिवत शुभारंभ...

सेवा को भेदभाव की दृष्टि से न देखकर निष्काम भाव से करे-सुदीक्षाजी

मंदसौर, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। इस संसार में अनेक प्रकार के लोग रहते हैं जिनकी अलग-अलग भाषा, वेश-भूषा, खान-पान, जाति, धर्म और संस्कृति आदि हैं। पर इतनी विभिन्नताओं के रहते भी, हम सब में एक बात सामान्य है कि हम सब इंसान हैं। कैसा भी हमारा रंग हो, वेश हो, देश हो या खान-पान, सबकी रगों में एक सा रक्त बहता है और सब एक जैसी सांस लेते हैं। हम सब परमात्मा की संतान हैं। इसी भाव को अनेक संतों ने अलग-अलग समय और स्थानों पर अपनी भाषा और शैली में समस्त संसार, एक परिवार के सन्देश के रूप में व्यक्त किया। पिछले लगभग 95 वर्षों से संत निरंकारी मिशन भी इसी सन्देश को न केवल प्रेषित कर रहा है, बल्कि अनेक सत्संग और समागम का नियमित रूप से आयोजित कर, इस सन्देश का जीवंत उदाहरण भी पेश कर रहा है। मिशन के लाखों भक्त इस वर्ष भी 16, 17 और 18 नवंबर 2024 को संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा, हरियाणा में होने वाले 77वें वार्षिक निरंकारी संत समागम में पहुँचकर मानवता के महाकुम्भ का एक बार फिर से नज़ारा सजाने जा रहे हैं। देश-विदेश से आने वाले ये भक्त जहाँ सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और सत्कारयोग निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन दर्शन करके स्वयं को कृतार्थ अनुभव करेंगे, वहीं मिलजुलकर संत-समागम की शिक्षाओं से अपने मन को उज्ज्वल बनाने का प्रयास भी करेंगे।

इस संत समागम की भूमि को समागम के लिए तैयार करने की सेवा का शुभारम्भ आज इस बार 6 अक्टूबर को हर वर्ष की भांति सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और निरंकारी राजपिता जी के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर मिशन की कार्यकारिणी के सभी सदस्य, केंद्रीय सेवादल के अधिकारी और सत्संग के अन्य हज़ारों अनुयायी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि 600 एकड में फैले इस विशाल समागम स्थल पर लाखों संतों के रहने, खाने-पीने, स्वास्थ्य और आने-जाने के साथ-साथ अन्य कई प्रकार की व्यवस्थाएं की जाती है, जिसके लिए पूरा महीना अनेक स्थानों से आकर भक्त निष्काम भाव से सेवारत रहते हैं। इस पावन संत समागम में हर वर्ग के संत एवं सेवादार महात्मा अपने प्रियजनों संग सम्मिलित होकर एकत्व के इस दिव्य रूप का आनंद प्राप्त करेंगे। इस वर्ष के समागम का विषय है -विस्तार, असीम की ओर। समागम सेवा के शुभ अवसर पर विशाल सत्संग को संबोधित करते हुए सतगुरु माता जी ने फ़रमाया कि सेवा करते समय सेवा को भेदभाव की दृष्टि से नहीं देखना चाहिए अपितु सदैव निरिच्छत, निष्काम भाव से ही की जानी चाहिए। सेवा तभी वरदान साबित होती है जब उसमें कोई किंतु, परंतु नहीं होता, उसकी कोई समय सीमा नहीं होनी चाहिए कि समागम के दौरान तथा समागम के समाप्त होने तक ही सेवा करनी है, बल्कि अगले समागम तक भी सेवा का यही जज्बा बरकरार रहना चाहिए। यह तो निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। सेवा सदैव सेवा भाव से युक्त होकर ही करनी चाहिए फिर चाहे हम शारीरिक रूप से अक्षम हो या असमर्थ हो सेवा परवान होती है क्योंकि वह सेवा भावना से युक्त होती है। निरंकारी संत समागम, जिसकी प्रतीक्षा हर भक्त वर्ष भर करते हैं एक ऐसा दिव्य उत्सव है जहाँ मानवता, असीम प्रेम, असीम करुणा, असीम विश्वास और असीम समर्पण के भाव को असीम परमात्मा के ज्ञान का आधार देते हुए सुशोभित करती है। मानवता के इस उत्सव में हर धर्म-प्रेमी का स्वागत है। यह जानकारी मंदसौर मीडिया सहायक शितलदास कोतक ने दी।

प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस में स्वच्छता अभियान का हुआ समापन

मंदसौर, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शास.स्ना. महाविद्यालय मन्दसौर में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देशानुसार स्वच्छता ही सेवा है अभियान के अन्तर्गत सेवा पखवाड़े के समापन कार्यक्रम में एन.एस.एस. स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य के नेतृत्व में सेवा पखवाड़े के अन्तर्गत विद्यार्थियों ने महाविद्यालय की अमृत वाटिका, पी.जी. ब्लॉक परिसर, गांधी उद्यान परिसर, स्वामी विवेकानंद उद्यान एवं एन.सी.सी. ग्राउण्ड में श्रमदान किया साथ ही महाविद्यालय के बाहर नेहरू बस स्टैण्ड उद्यान परिसर, तेलिया तालाब परिसर एवं विद्यावन में श्रमदान कर परिसर को प्लास्टिक एवं अन्य कचरे से मुक्त किया। विद्यार्थियों ने महाविद्यालय से तेलिया तालाब तक एवं नेहरू बस स्टैंड से गाँधी चौराहे तक स्वच्छता जन-जागरूकता रैली निकाली। महाविद्यालय में गाँधी महोत्सव में पोस्टर एवं कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ। विद्यार्थियों को कक्षाओं में जाकर परिसर को स्वच्छ रखने हेतु स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई। इस अभियान के अन्तर्गत विद्यार्थियों को माय भारत पोर्टल के सौजन्य से केप, डायरी, पेन, ग्लब्स एवं प्रमाण पत्र भी दिए गए।

स्वच्छता अभियान के सफल आयोजन को लेकर जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेश चन्दवानी एवं प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा किए गए श्रमदान की सराहना की। जिला संगठक डॉ. के.आर. सूर्यवंशी ने कहा कि रासेयो स्वयंसेवक जिस भी परिसर को स्वच्छता हेतु लेते है उस पूरे परिसर को प्लास्टिक एवं अन्य प्रकार के कचरे से मुक्त कर देते हैं। सुन्दर परिसर निर्माण करना यह एन.एस.एस. की विशेषता है। इस अवसर जिला संगठक डॉ. के.आर. सूर्यवंशी, श्री राजेश रजक (क्लिनिक सर्विस ऑफिसर, सी.एम.एच.ओ. ऑफिस मन्दसौर), पर्यावरण प्रेमी श्री मनीष भावसार, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य, एवं प्रो. संजय पंवार ने स्वच्छता कार्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को उत्कृष्ट रासेयो स्वयंसेवक सम्मान से सम्मानित किया।

आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा आध्यात्मिक संवाद सम्पन्न

मंदसौर, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा श्री ऋषि आनन्द आश्रम पर आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रखर वक्ता श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि नैतिक मूल्यों का पतन आज की सबसे बडी समस्या है। निरंतर हो रही आर्थिक धोखाधडी, महिला उत्पीडन और आत्महत्या की घटनाएं केवल कानून व दण्ड से रूकना संभव नहीं है। नैतिक एवं मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था उत्पन्न होने पर भी ऐसी घटनाएं रूक सकती है। आर्थिक ईमानदारी, इन्द्रिय संयम और सदाचरण आवश्यक है। आपने कहा कि अध्यात्म, शिक्षा और सद्भाव से सद्गुणों का प्रसार जरूरी है। साहित्यकार श्री गोपाल बैरागी ने कहा कि अतृप्त इच्छाएं स्वास्थ्य को खतरा उत्पन्न कर रही है। आंतरिक प्रसन्नता से उत्पन्न मुस्कराहट ही शांति व संतोष का बोध करा सकती है। हिन्दी साहित्य संस्थान के अध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार जोशी ने कहा कि धार्मिक पर्वों एवं अन्य

उत्सवों के निहितार्थ का समझने की आवश्यकता है। ये केवल मनोरंजन के माध्यम नहीं है। महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा की आवश्यकता है। श्री अभय जैन, श्री कन्हैयालाल पण्ड्या, श्री जगन्नाथ थारेचा ने भजन प्रस्तुत किये। श्री विक्रम विद्यार्थी, श्री भेरूलाल पटेल, श्री प्रीतमसिंह चंदवानी, डॉ. प्रकाश चंदवानी, श्री प्रभुलाल हिन्दल, श्री अमृतराम सुनार्थी ने संवाद में सहभागिता की। श्री ऋषियानन्द ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र जोशी ने स्वागत भाषण दिया। आध्यात्मिक चेतना अभियान के संयोजक श्री विनोद शर्मा ने गतिविधियों की जानकारी दी। संचालन आध्यात्मिक संवाद के संयोजक श्री रमेश ब्रिजवानी ने व आभार प्रदर्शन समन्वयक श्री प्रकाश कल्याणी ने किया।

रामघाट बैराज पर कड़ी शटर लगाने का कार्य प्रारंभ

नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर व सभापति जैन ने किया निरीक्षण

मंदसौर, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। वर्षा ऋतु समाप्ति की ओर है वर्षा का दौर लगभग समाप्त हो चुका है नगरपालिका का जलस्रोतों रामघाट व कालाभाटा बांध में पर्याप्त जल संग्रहित है रामघाट का जल जो संग्रहित है वह बहकर न चला जाए इसके लिए नगरपालिका ने प्रयास अभी से प्रारंभ कर दिए हैं रामघाट बांध पर कडी शटर लगाने का कार्य कल सोमवार से प्रारंभ कर दिया गया है कल नगरपालिका के स्टाफ के द्वारा कडी शटर लगाने के लिए कार्य तीव्र गति से शुरू किया गया ,नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर एवं जलकर सभापति श्री निलेश जैन ने रामघाट पहुंचकर कडी शटर लगाने के कार्य का निरीक्षण किया और नगरपालिका कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए, नगरपालिका कर्मचारियों ने नपाध्यक्ष व नगरपालिका जलकल सभापति को अवगत कराया की कडी शटर लगाने का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने का कार्य किया जाएगा वर्तमान समय में आठ कर्मचारी निरंतर कार्य कर रहे हैं इस अवसर पर जलकार्य समिति सदस्य क्षेत्रीय पार्षद कमलेश सिसोदिया राकेश भावसार नगरपालिका कर्मचारीगण शरीफ पठान एवं हरीश खान भी उपस्थित थे।

रक्तसेवा गौ सेवा फाउंडेशन का वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज

मंदसौर, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। रक्तसेवा गौ सेवा फाउंडेशन मंदसौर जिला अध्यक्ष पुष्कर पाटीदार ने बताया कि 23 मार्च 2021 को शहीद दिवस के अवसर पर संवेदना कैम्पिंग के तहत निफा के द्वारा पूरे भारत देश में 1476 रक्तदान शिविर लगाकर 1,27,675 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया था मध्यप्रदेश में भी ये आयोजन किया गया था जिसमे मंदसौर जिले की रक्तसेवा गौ सेवा फाउंडेशन रजि. मध्यप्रदेश (रक्तसेवा हिंदुस्तान) द्वारा डॉ. सत्यनारायण कुमावत निवासी फतेहगढ के सहयोग से क्यामपुर (कैलाशपुर) मे रक्तदान शिविर का आयोजन कर 107 यूनिट रक्त एकत्रित कर इस आयोजन में अपना सहयोग प्रदान किया था। निफा के द्वारा 6 अक्टूबर 2024 को इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर इंडिया, माता मंदिर चौराहा भोपाल में इंटरनेशनल लाइफ सेवर अवार्ड सेरेमनी का आयोजन किया गया जिसमें संस्था की ओर से संस्थापक रक्त मित्र नागेश्वर मालवीय को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन, इंटरनेशनल लाइफ सेवर अवार्ड, मेडल पहनाकर, पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर नागेश्वर मालवीय को संस्था के समस्त पदाधिकारियों द्वारा बधाई दी गई और सभी रक्तदाताओ। कार्यकर्ताओ को धन्यवाद दिया।

मद्य निषेध सप्ताह के तहत व्याख्यान संपन्न

नीमच, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय महात्मा गांधी महाविद्यालय के प्राचार्य डा.आर.सी.मेघवाल के मार्गदर्शन में मद्य निषेध सप्ताह के तहत सोमवार को व्याख्यान आयोजित किया गया। प्रो.रवीन्द्र राठौर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में नशामुक्त भारत अभियान के मास्टर ट्रेनर डा. राजेश मुजाल्दा ने नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया। डा.आर.के.पेन्सिया ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने नशे के विरूद्ध अपनो के नाम पाती भी लिखी। कार्यक्रम में महाविद्यालयीन स्टाफ एवं एन.सी.सी., एन.एस.एस. स्वयं सेवक तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।

कन्या पूजन एवं कन्या भोज कार्यक्रम आज

मंदसौर, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू जी पटवारी के आह्वान पर मन्दसौर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा 8 अक्टूबर 2024 मंगलवार को सांय 5 बजे भागवत नगर गरबा उद्यान मन्दसौर में कन्या पूजन एवं कन्या भोज का कार्यक्रम है। अत: आप कन्या पूजन कार्यक्रम में आवश्यक रूप से सम्मिलित होवे।

दूधाखेड़ी माताजी पहुंची विशाल चुनरी यात्रा

बालाजी ग्रुप ने माताजी को चढ़ाई 1101 फीट की चुनरी, महिलाएं कलश लेकर शामिल

मंदसौर, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। महावीर फतेह करें सेवा संस्था (बालाजी ग्रुप) के द्वारा 7 अक्टूबर, सोमवार को भानपुरा तहसील स्थित प्रसिद्ध एवं चमत्कारिक दूधाखेडी माताजी मंदिर में 1101 फीट की चुनरी चढाई गई। लगातार नवें वर्ष निकाली गई यह विशाल चुनरी यात्रा का शुभारंभ ग्राम बरड्या इस्तमुरार स्थित कालेश्वर मंदिर से पूजा अर्चना करने के पश्चात् हुआ। यहां गरोठ पूर्व जनपद अध्यक्ष तूफान सिंह सिसोदिया, पूर्व सरपंच विक्रम सिंह, बालाजी ग्रुप जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र मंगल बैरागी, डॉ. मनोज शर्मा, करणसिंह परिहार, नवीन सोलंकी, श्रीलाल धाकड, दिलीप शर्मा, उदय धाकड, नवीन पोपांडिया, गोविंद सिंह, विनोद गुर्जर, ललित गौड, सूरजसिंह, देवीलाल राठौर आदि ने चुनरी यात्रा पूजा अर्चना कर चुनरी यात्रा प्रारंभ की। इस दौरान बालाजी ग्रुप के जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र मंगल बैरागी का साफा बांधकर सम्मान किया गया।

चुनरी यात्रा में आसपास क्षेत्र के अनेक गांवों से अनेक भक्तों ने शामिल होकर अपनी धार्मिक भावना को व्यक्त किया। हर व्यक्ति श्रद्धा के साथ माताजी के जयकारे करता हुआ चुनरी यात्रा में शामिल था। करीब 9 किलोमीटर चलकर यह यात्रा दुधाखेडी माताजी पहुंची जहां पूजा अर्चना कर भगवान को चुनर चढाई गई। यात्रा में कलश लेकर महिलाएं आगे-आगे चल रही थी; छोटी-छोटी बालिकाएं मातृशक्ति के रूप में माता का रूप धर यात्रा में सम्मिलित थी। चुनर यात्रा में मुकेश राठौर, दीपक राव मराठा, जितेंद्र मौर्य, रामू कहार, लोकेश कहार, लखन कहार, करण सिंह सिसोदिया, हेमंत कहार, गोविंद पडाईपंथी, रवि कहार, बाबू सूर्यवंशी, शेलेंद्र कहार, मनोज, विशाल सिंह, नवीन सोलंकी, विनोद कहार, लखन कहार सहित बड़ी संख्या में माता भक्त सम्मिलित हुए। उक्त जानकारी करण सिंह सिसोदिया, नवीन सोलंकी ने जानकारी दी।

भारत की पहली सामान्य एसी ट्रेन वंदे मेट्रो का ट्रायल

कोटा से वाया उज्जैन-इंदौर, रतलाम तक संचालन संभव

उज्जैन, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कोटा रेल मंडल में नमो भारत रैपिड रेल (वंदे मेट्रो) का ट्रायल हुआ। रेलवे प्रशासन के अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह गाडी कोटा-नागदा रेलखंड पर महिदपुर रोड और शामगढ के बीच अधिकतम 145 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलाई गई। ट्रायल के दौरान ट्रेन के सभी 16 कोचों में यात्रियों के बराबर 24.5 टन वजन रखा गया। ट्रायल के दौरान स्पीड और ब्रेकिंग सिस्टम की विशेष रूप से जांच की गई।

अधिकारियों ने ट्रायल को पूरी तरह सफल बताया। यह ट्रायल 15 दिन चलेगा। रविवार को ट्रेन में और जरूरी उपकरण लगाए गए। ट्रायल के दौरान ट्रेन को अधिकतम 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाए जाने की जानकारी रेलवे अधिकारियों ने दी है।

भारत की पहली जनरल एसी ट्रेन–वंदे भारत ट्रेन में सभी कोच सामान्य श्रेणी के हैं। यह भारत की पहली सामान्य वातानुकूलित ट्रेन है। यह ट्रायल लखनऊस्थित अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन द्वारा किया गया। क्षेत्र के लोगों को उम्मीद है, इस ट्रेन के ट्रायल के उपरांत कोटा से इंदौर-उज्जैन होकर तथा कोटा से रतलाम के बीच वंदे मेट्रो का परिचालन प्रारंभ कर सकता है।

बड़े बालाजी मंदिर पर सीताराम महोत्सव आज

मंदसौर, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पुराना बस स्टेण्ड स्थित श्री बड़े बालाजी मंदिर पर श्री सीताराम महोत्सव आज 8 अक्टूबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए मन्दिर समिति के अध्यक्ष पंण् दिलीप शर्मा, प्रवक्ता रवि ग्वाला ने बताया कि आज 8 अक्टूबर को सायं 7 बजे श्री बड़े बालाजी मंदिर बस स्टैण्ड पर श्री सीताराम महोत्सव के उपलक्ष्य में बड़े बालाजी महाराज की भव्य आरती की जावेगी तत्पश्चात 4 क्विंटल 11 किलो खिचडी की प्रसादी भक्तो मे वितरित की जावेगी। आरती के पश्चात भव्य सुंदरकांड होगा जो देर रात तक चलेगा। आयोजन को लेकर बड़े बालाजी मन्दिर व परिसर को भगवा ध्वज से सजाया गया है व विद्युत सज्जा भी की गई है उक्त आयोजन मे सम्मिलित होने का आग्रह समिति के विनय दुबेला, नरेश चंदवानी, जितेंद्र व्यास, वर्दीचन्द कुमावत, विनोद रूनवाल, हेमंत सुरा, चोथमल शर्मा, अनूप माहेश्वरी, अनिल सुराह, महेंद्रसिंह सिसोदिया, सज्जनलाल खमेसरा, कपिल सोलंकी, हरीश साल्वी किया है। उक्त जानकारी रवि ग्वाला द्वारा दी गई।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	70	2200	2640
उडद	79	6199	7100
सोयाबीन	5910	4000	4753
गैहु	2500	2700	3250
चना	126	6550	7205
मसुर	216	5326	5971
धनिया	430	5204	7204
लहसुन	9500	10000	27000
मैथी	790	4801	6250
अलसी	1540	5600	6200
सरसो	285	5620	6000
तारामीरा	1	5052	5052
इसबगोल	113	9600	13200
प्याज	1832	1450	4151
कलोंजी	27	13000	18580
डॉलर	47	9600	12851
तिल्ली	158	9001	12953
मटरसुखी	4	4301	6190
असालीया	79	11000	13241

कार्यालय :- नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट

जवाहर मार्ग, जावद, जिला-नीमच (म.प्र.) मो.नं. 9425033929, 9806883929

**** जाहिर सूचना ****

बनाम:- सर्व साधारण

इस जाहिर सूचना के द्वारा सर्व साधारण एवं संबंधित पक्षकारान को सूचित किया जाता हैं कि मेरे व्यवहारी ने श्री अजीत पिता भंवरलाल जी जाति सिलावट, निवासी ग्राम दामोदरपुरा, तहसील जावद, जिला नीमच (म.प्र.) के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 17, ग्राम दामोदरपुरा, तहसील जावद में स्थित कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 75/2 रकबा 0.050 हें. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में - सर्वे क्रमांक 75/1 की भूमि, दक्षिण में - सर्वे क्रमांक 75/3 की भूमि, पूर्व में - सर्वे क्रमांक 76, 215 की भूमि, पश्चिम में - सर्वे क्रमांक 74 की भूमि को मेरे पक्षकार ने खाते-खसरो में वर्णित भूमिस्वामी से क्रय करने का मौखिक अनुबंध किया हैं। मौखिक अनुबंध अनुसार मेरा व्यवहारी उक्त क्रय की जा रही सम्पत्ति के विक्रय धन का प्रतिफल विक्रेता को अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन करायेगा। उक्त सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति या संस्था का किसी भी प्रकार का कोई रहन, बय, दान, कब्जा व ऋण भार नहीं होने संबंधी विक्रेता द्वारा बताया गया हैं। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे व्यवहारी के पक्ष में विक्रय धन राशि मेरे व्यवहारी द्वारा विक्रेता को अदा कर उप पंजीयक कार्यालय जावद में विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जायेगा जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज साक्ष्य के सात दिवस में कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। पंजीयन के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पेश की जाती हैं तो मेरे व्यवहारी के मुकाबले व्यर्थ एवं प्रभावशून्य होगी जो सभी पक्षो पर बंधनकारी होगी।

दिनांक:- 08.10.2024

भवदीय

नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट, जावद

कार्यालय :- नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट

जवाहर मार्ग, जावद, जिला-नीमच (म.प्र.) मो.नं. 9425033929, 9806883929

**** जाहिर सूचना ****

बनाम:- सर्व साधारण

इस जाहिर सूचना के द्वारा सर्व साधारण एवं संबंधित पक्षकारान को सूचित किया जाता हैं कि मेरे व्यवहारी ने घीसीबाई पति नाथुलाल जी, गोपाल, राजेन्द्र, राधा, बिना पिता नाथुलाल जी जाति कुमावत, निवासीयान ग्राम दामोदरपुरा, तहसील जावद, जिला नीमच (म.प्र.) के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 17, ग्राम दामोदरपुरा, तहसील जावद में स्थित कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 74 रकबा 0.120 हें. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में - सर्वे क्रमांक 80/2 की भूमि, दक्षिण में - सर्वे क्रमांक 220 की भूमि, पूर्व में - सर्वे क्रमांक 75/1, 75/2 की भूमि, पश्चिम में - सर्वे क्रमांक 73/2 की भूमि एवं भूमि सर्वे क्रमांक 230 रकबा 0.180 हें. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में - सर्वे क्रमांक 221, 222 की भूमि, दक्षिण में- सर्वे क्रमांक 229 की भूमि, पूर्व में - सर्वे क्रमांक 231, 232/1 की भूमि, पश्चिम में-सर्वे क्रमांक 226 की भूमि को मेरे पक्षकार ने खाते-खसरो में वर्णित भूमिस्वामी से क्रय करने का मौखिक अनुबंध किया हैं। मौखिक अनुबंध अनुसार मेरा व्यवहारी उक्त क्रय की जा रही सम्पत्ति के विक्रय धन का प्रतिफल विक्रेता को अदाकर विक्रय पत्र का पंजीयन करायेगा। उक्त सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति या संस्था का किसी भी प्रकार का कोई रहन, बय, दान, कब्जा व ऋण भार नहीं होने संबंधी विक्रेता द्वारा बताया गया हैं। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे व्यवहारी के पक्ष में विक्रय धन राशि मेरे व्यवहारी द्वारा विक्रेता को अदा कर उप पंजीयक कार्यालय जावद में विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जायेगा जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज साक्ष्य के सात दिवस में कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। पंजीयन के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पेश की जाती हैं तो मेरे व्यवहारी के मुकाबले व्यर्थ एवं प्रभावशून्य होगी जो सभी पक्षो पर बंधनकारी होगी।

दिनांक:- 08.10.2024

भवदीय

नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट, जावद

जिला चिकित्सालय में कामथियन सिक्योरिटी सर्विस की अवहेलना, प्रशासनिक आदेशों की अनदेखी

मंदसौर, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला चिकित्सालय में कामथियन सिक्योरिटी सर्विस इंदौर की लापरवाही प्रशासनिक आदेशों की अनदेखी के रूप में सामने आई है। लगभग एक माह पूर्व, 1 सितंबर 2024 की रात, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल और एडिशनल एसपी गौतम सिंह सोलंकी ने रात 10:30 बजे जिला अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया, जिसमें प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड की तैनाती और उनकी उपस्थिति की स्थिति पर प्रश्न उठाए गए।

नेमीचंद राठौर

निरीक्षण के दौरान, अपर कलेक्टर ने पाया कि ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर अस्पताल में तैनात सुरक्षा गार्ड की उपस्थिति और उनके स्थान की जानकारी नहीं दे पाए। इससे यह स्पष्टहुआ कि सुरक्षा गार्ड की जानकारी और उनके संपर्क विवरण (नाम और मोबाइल नंबर) अस्पताल में प्रदर्शित नहीं किए गए थे। इस पर तत्काल सख्त निर्देश दिए गए कि सुरक्षा गार्ड की जानकारी स्पष्टरूप से अस्पताल में प्रदर्शित की जाए ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में उनसे संपर्क किया जा सके। इसके साथ ही, अपर कलेक्टर ने यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा कि गार्ड की जानकारी सिविल अस्पताल में बनी चौकी पर भी उपलब्ध होनी चाहिए। लेकिन कामथियन सिक्योरिटी सर्विस इंदौर ने इस महत्वपूर्ण आदेश की पूर्ण रूप से अवहेलना की और आज तक अस्पताल में सुरक्षा गार्ड की जानकारी और उनके मोबाइल नंबर का डिस्प्ले नहीं किया। यह स्थिति केवल एक सामान्य लापरवाही नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक आदेशों के प्रति संस्था की अनदेखी और गैर-जिम्मेदाराना रवैया को दर्शाता है। सुरक्षा गार्ड की जानकारी का प्रदर्शित न होना अस्पताल की सुरक्षा और व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है, खासकर जब यह मुद्दा खुद अपर कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया था।

स्थिति और गंभीर हो जाती है जब यह पता चलता है कि कामथियन सिक्योरिटी सर्विस इंदौर ने इस बार भी जिला चिकित्सालय में 2024-25 के लिए निकली गई नई निविदा में भाग लिया है। वर्तमान में कार्यरत यह एजेंसी न केवल प्रशासनिक आदेशों का उल्लंघन कर रही है, बल्कि अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था को भी प्रभावित कर रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस एजेंसी को पुन: कार्य करने की अनुमति दी जानी चाहिए या नहीं? कामथियन सिक्योरिटी सर्विस इंदौर की इस अवहेलना को देखते हुए यह आवश्यक है कि निविदा समिति द्वारा इस संस्था के आवेदन को प्रथम चरण में ही निरस्त कर दिया जाए। प्रशासन की नजरों में यह एजेंसी भरोसेमंद नहीं मानी जा सकती, क्योंकि जो एजेंसी कलेक्टर के आदेशों को नजरअंदाज कर सकती है, वह अस्पताल की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी विफल साबित हो सकती है। जिला चिकित्सालय जैसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक संस्था में सुरक्षा का मुद्दा अत्यधिक संवेदनशील होता है। यहां मरीजों की सुरक्षा के साथ-साथ अस्पताल की संपत्तियों की सुरक्षा भी प्राथमिकता होनी चाहिए। लेकिन जब सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाली एजेंसी प्रशासनिक निर्देशों को अनदेखा करती है, तो यह संपूर्ण व्यवस्था पर प्रश्न खड़ा कर देता है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नई टेंडर प्रक्रिया में कामथियन सिक्योरिटी सर्विस इंदौर कितनी सफल हो पाती है। प्रशासन को इस मामले में सतर्कता से निर्णय लेना होगा ताकि भविष्य में ऐसी अव्यवस्थाओं से बचा जा सके।

पंद्रह फरवरी से शुरु होगी सीबीएसई बोर्ड परीक्षा

मंदसौर, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाएं 15 फरवरी 2025 से शुरु होंगी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने इस साल सीबीएसई 10वीं, 12वीं बोर्ड रिजल्ट 2024 के साथ ही सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025 का ऐलान किया है। सीबीएसई 10वीं, 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षाएं जनवरी में, जबकि थ्योरी परीक्षाएं 15 फरवरी से होंगी। बोर्ड 10वीं, 12वीं बोर्ड परीक्षा की डेटशीट जल्द जारी करेगा। बोर्ड प्रैक्टिकल परीक्षा और थ्योरी परीक्षा के लिए डेटशीट अलग-अलग जारी करेगा। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025 में भाग लेने वाले तमाम छात्र बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट से डेटशीट डाउनलोड कर सकते हैं।

पिछले साल सीबीएसई बोर्ड की प्रैक्टिकल परीक्षाएं जनवरी में शुरू हुई थी। सीबीएसई 10वीं और 12वीं दोनों ही कक्षाओं के लिए प्रैक्टिकल परीक्षा 1 जनवरी से शुरू हुई थी जो 14 फरवरी तक चली थी। ऐसे में संभावना है कि साल 2025 में सीबीएसई कक्षा 10वीं व 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षाएं भी जनवरी में शुरू होंगी।

अप्रेल तक चलेंगी परीक्षा...

पिछले दो साल से सीबीएसई बोर्ड द्वारा 10वीं, 12वीं बोर्ड परीक्षा का आयोजन 15 फरवरी से किया जा रहा है। ऐसे में उम्मीद है कि आगामी वर्ष में सीबीएसई बोर्ड कक्षा 10वीं, 12वीं बोर्ड परीक्षा 15 फरवरी 2025 से शुरू होकर अप्रेल तक चलेंगी।

पिछले साल केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने साल में दो बार बोर्ड परीक्षा का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि नए शैक्षणिक सत्र से दो बार बोर्ड परीक्षा का नियम लागू होगा। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि सीबीएसई अगले साल से दो बार बोर्ड परीक्षा का आयोजन करेगा। हालांकि बोर्ड ने इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

बदमाशों ने तोड़े दुकान के ताले

ग्राईंडर मशीन सहित सिल्लक ले गए

मंदसौर, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। चोरी के मामले में मंदसौर में भी नई चुनौतियाँ मिलनी शुरू हो गई है। मंदसौर में बीती रात ताले टूटने की घटना मदसौर के नई आबादी थाना क्षेत्र के सीतामऊ फाटक पर हुई। यहां बिल्डिंग मटेरियल और सेनेटरी आइटम्स की दुकान देवश्री स्टोन्स पर बदमाशों ने ताले तोड़ डाले। घटना का खुलासा सुबह तब हुआ जब संचालक हरीश कुमार रावलिया दुकान पहुंचे।

चोरो ने दुकान के एक साइड के शटर के नीचे अंट लगाया और अंदर दाखिल हो गए। बदमाश यहां से 5 ग्राइंडर मशीन और सिल्लक समेत करीब 20 हजार का माल ले उड़े। घटना की जानकारी लगने पर थाने से गए हेड साब ने घटनास्थल का मुआयना भी किया। हालांकि टीआई या आला अफसर वहां नहीं पहुंचे थे। लेकिन चोरो की इस दस्तक को आला अफसरों को शुरुआत में ही गंभीरता से लेनी चाहिए। ताकि अन्य संभावित वारदातो को टाला जा सके।

दो पक्षों में मारपीट, 6 पर क्रास प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। खेत का मटेरियल रास्ते पर डालने के विवाद में मारपीट पर पुलिस ने दोनों पक्षों के 6 लोगों पर क्रास प्रकरण दर्ज किया। रावला मोहल्ला नाहरगढ निवासी नागूलाल (74) पिता शंकरलाल माली ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं खेत पर जा रहा था, इस दौरान गोवर्धन पिता नोंदराम तेली, राधेश्याम पिता गोवर्धन तेली, दिलीप पिता रामचन्द्र तेली जेसीबी से खेत का मटेरियल रास्ते में डलवा रहे थे, मटेरियल रास्ते पर डालने से मना किया तो तीनों ने गाली-गलौज कर मारपीट की। पुलिस ने तीनों पर केस दर्ज किया। इसी तरह गोवर्धनलाल तेली ने शिकायत दर्ज कराई कि सोयाबीन फसल निकालने के लिए खेत जा रहे थे, इस दौरान जेसीबी रास्ते में फस गई, जिसे निकाल रहे थे, इस दौरान नागूलाल माली, उसका लड़का श्यामलाल व श्यामलाल का लड़का दिलीप आए और बोले तुम इधर से क्यों निकल रहे हो, तीनों ने गाली-गलौज कर मारपीट की व पत्थर फेंके, जिससे चोंटे आई। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

मामा के लड़के ने पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। घर के सामने से निकलने की बात पर मारपीट की। पुलिस ने चचेरे भाई पर केस दर्ज किया। भगवानपुरा (बघाना) नीमच निवासी नरेन्द्रसिंह उर्फ बन्टू पिता भूरसिंह राजपूत ने नारहगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं माता-पिता से मिलने गांव कोटडीमाण्डा गया था। वहां मेरे मामा के लड़के ब्रजपालसिंह पिता चेनसिंह परिहार ने घर के सामने से निकलने पर विवाद किया व मारपीट की व लकडी से सिर पर मारी, जिससे चोंट आई। पुलिस ने आरोपी ब्रजपालसिंह पर केस दर्ज किया।

खेत से ट्रेक्टर निकालने के विवाद में पीटा

पिपलियामंडी, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। खेत से ट्रेक्टर निकालने के विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। बंड पिपलिया हाल मुकाम काचरिया रोड, पिपलियामंडी निवासी श्यामलाल पिता रमेशचन्द भाटी ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं गांव में मकान पर था, इसी दौरान गोविन्द पिता विनोद बावरी आया और बोला कि मेरे खेत से ट्रेक्टर क्यों निकाला बोलकर गाली-गलौज कर मारपीट की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

जमीन विवाद में पीटा, 4 पर मामला दर्ज

पिपलियामंडी, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जमीन विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने चार के खिलाफ केस दर्ज किया। नारायणगढ निवासी मधुसूदन पिता वगतराम तेली ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं खेत पर जा रहा था, इसी दौरान श्रीराम तेली, मिथुन तेली, महेश तेली व शिवकन्या तेली ने गाली-गलौज कर विवाद किया व मारपीट की, जिससे चोंटे आई। पुलिस ने चारों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

शराब के नशे में पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शराब के नशे में मारपीट के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। सोनगरा निवासी सुरेश पिता पूरचंद बागरी ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं परिवार के माताजी मंदिर पर पूजा-पाठ करता हूं, तो बाबूलाल बागरी मना करता है व गाली-गलौज करता है। रात्रि में बाबूलाल ने फिर गाली-गलौज की व मारपीट की। बीच-बचाव करने आई मेरी पत्नी मंजूबाई के साथ भी मारपीट की। पुलिस ने केस दर्ज किया।

महिला की लज्जा भंग करने के आरोपी को 1 वर्ष का कारावास

मनासा, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सुश्री प्रीति परिहार, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, मनासा के द्वारा खेत पर अकेली महिला से छेडछाड करते हुए लज्जा भंग करने वाले आरोपी पवन पिता कंवरलाल किर, उम्र-29 वर्ष, निवासी-ग्राम रावतपुरा, थाना मनासा, जिला नीमच को धारा 354 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 01 वर्ष के कारावास व 500रू. अर्थदण्ड तथा धारा 323 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 03 माह का कारावास व 500रू. अर्थदण्ड से दण्डित किया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले एडीपीओ श्री विपिन मण्डलोई द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना लगभग 07 वर्ष पूर्व की होकर दिनांक 23.04.2017 को सुबह के लगभग 9 बजे थाना मनासा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पीडिता के खेत की हैं। घटना दिनांक को पीडिता खेत पर महुआ बिनने के लिए गई हुई थी उसी समय पीडिता को अकेला पाकर आरोपी वहां पर आया और उसने बुरी नियत से पीडिता का हाथ पकडते हुआ बोला की मेरे साथ मगरे पर चल, जब पीडिता ने मना किया तो आरोपी ने पीडिता को जमीन पर पटक दिया और उसके उम्पर बैठ गया, पीडिता चिल्लाई तो आस-पास के खेत वाले वहां पर आ गये, जिनको देखकर आरोपी वहां से भाग गया। पीडिता द्वारा घटना की रिपोर्ट थाना मनासा पर की गई। पुलिस द्वारा पीडिता की रिपोर्ट पर से विवेचना करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर, शेष आवश्यक अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र मनासा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अभियोजन की ओर से न्यायालय में पीडिता सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को प्रमाणित कराते हुवे आरोपी को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्री विपिन मण्डलोई, एडीपीओ द्वारा की गई।

शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर भादवामाता में संस्कृति विभाग द्वारा शक्ति पर्व सम्पन्न

नीमच, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन- नीमच के सहयोग से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर रविवार की शाम को भादवामाता में नवरात्रि मेला प्रांगण में एक दिवसीय शक्ति पर्व आयोजित किया गया। संस्कृति विभाग के कलाकार श्रीमती दुर्गा मिश्रा व सभी साथी कलाकारों ने शक्ति पर्व के माध्यम से विविध कला रूपों में देवी के वैभव और महिमा को प्रस्तुत किया।

मां भादवा माता मंदिर परिसर, नीमच में शक्ति पर्व के अंतर्गत सर्वप्रथम सुश्री हीरामणी वर्मा एवं साथी उज्जैन द्वारा देवी गीत की प्रस्तु ति की गई। इसके बाद सुश्री सोनिया नाग एवं साथी, भोपाल द्वारा ''रक्तबीज का वध'' नृत्यीनाटिका का मंचन किया। अगले क्रम में श्रीमती दुर्गा मिश्रा एवं साथी, भोपाल द्वारा ''अनंतरूपा मां दुर्गा'' एवं महिषासुर मर्दन नृत्यनाटिका का मंचन किया और मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों को नाटक के माध्यंम से प्रस्तुवत किया। अंत में श्री आकाश गुंटीवार एवं साथी कलाकारों द्वारा देवी आराधना पर आधारित भजनों की प्रस्तुति दी गई। प्रारंभ में कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा, श्रीमती चन्द्रार, एसडीएम. डॉ. ममता खेडे ने दीप प्रज्वलित कर शक्ति पर्व का शुभारंभ किया। विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार, कलेक्टर श्री हिमां शु चन्द्रा, अतिरिक्ति पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिंह सिसोदिया, न.पा. अध्यक्ष श्रीमती स्वांति चोपडा, सरपंच श्रीमती मिठ्ठुबाई ने अतिथि कलाकारों को स्मृ ति चिन्हं भेंट कर, एक चुनरी ओढाकर तथा श्रीफल भेंट कर सम्म्नित किया। संचालन डॉ. राजेश पाटीदार ने किया गया अंत में श्रीमती ममता खेडे ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर जिला पंचायत सी.ई.ओ. श्री अरविंद डामोर, एस.डी.ओ.पी. श्री विमलेश उईके, जनपद सी.ई.ओ. श्री राजेंद्र पालनपुरे व अन्य अधिकारी, बडी संख्या में धार्मिक श्रद्धालु उपस्थित थे।

आरोग्य तीर्थ के रूप में सुप्रसिद्ध मोड़ी माता जी का मंदिर

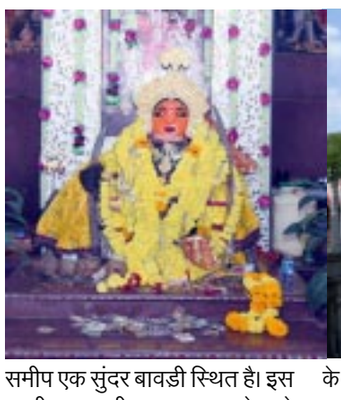

नीमच, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिला मुख्यायल से लगभग 16 कि.मी. दूर स्थित जावद तहसील के ग्राम पंचायत मोडी में स्थित प्राचीन खेडा माताजी का मंदिर, जिसे मोडी माताजी मंदिर भी कहा जाता है। आरोग्यत तीर्थ के रूप में सुप्रसिद्ध है, यहां प्रतिवर्ष बडी संख्या में श्रृद्धालु आते है और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करते है। मान्यता है, कि मोडी माताजी मंदिर में दर्शन कर, भभूत का सेवन करने से लकवा रोग सहित अन्यी असाध्य रोगो से जल्दी मुक्ति मिल जाती हैं। नवरात्रि में तो, इस मंदिर पर मां के दर्शन के लिए श्रृद्धालुओं का तांता लगा रहता है। नीमच जिले के निपानिया शक्ति पीठ के संत महा मण्डेएश्वर श्री सुरेशानन्द शास्त्री जी बताते है, कि मोडी माताजी मंदिर के समीप एक सुंदर बावडी स्थित है। इस प्राचीन बावडी का जनसहयोग से जीर्णोद्धार किया गया है। इस बावडी का स्वरूप ही बदल गया है। इस बावडी के जीर्णोद्धार के दौरा जो पत्थर निकले है, वे परमार कालीन है। अत: मोडी माताजी के मंदिर को भी परमार काल के सम्यतुल्य माना जा सकता है। माता जी की मूर्ति भी अनादि काल से यहां स्थापित बताई जा रही है। महामण्ड लेश्वर श्री सुरेशानन्द शास्त्री ने बताया कि जनपद सदस्य श्री राजेन्द्र प्रसाद नागदा ने मंदिर समिति के सदस्य गणों एवं क्षेत्रवासियों का सहयोग प्राप्त कर, मंदिर के निर्माण एवं बावडी के जीर्णोद्धार कार्य में विशेष रूची ली, परिणाम स्वरूप आज मोडी माताजी मंदिर का स्वरूप ही बदल गया है और यहॉ आने वाले श्रृद्धालुओं की संख्या भी काफी बढ गई है। नवरात्रि में हजारों श्रृद्धालु यहां दर्शन कर, रात्रि में ठहरते है। मंदिर के परिसर में श्रृद्धालुओं की सुविधा के लिए काफी विकास कार्य हुए है। मंदिर की व्यवस्था एं एवं प्रबंध तहसीलदार जावद की निगरानी में प्रबंधन समिति द्वारा किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश ट्रायथलॉन अकादमी के यश बाथरे करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

मंदसौर, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश ट्रायथलॉन अकादमी के होनहार खिलाडी यश बाथरे का चयन भारत की ओर से मॉडर्न पेंटाथलॉन के बाईथले/ट्रायथले इवेंट में भाग लेने के लिए हुआ है। यह प्रतिष्ठित वर्ल्ड चैंपियनशिप प्रतियोगिता 8 से 14 अक्टूबर के बीच इजिप्ट में आयोजित की जाएगी।यश बाथरे विगत चार वर्षों से मध्यप्रदेश ट्रायथलॉन अकादमी में कैप्टन मनोज झा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उनकी इस शानदार उपलब्धि पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग और खेल संचालक रवि कुमार गुप्ता ने उन्हें बधाइयां दी हैं और उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

पत्नी को पीटा, पति पर मामला दर्ज

पिपलियामंडी, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पति ने पत्नी को पीटा, पुलिस ने केस दर्ज किया। पहेडा मगरा निवासी सोनाबाई अहिरवार ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि पति पप्पूलाल ने सोयाबीन काटने चलने की बोला, तबीयत खराब होने से मना किया तो गाली-गलौज कर मारपीट की व लकडी से सिर, हाथ, पीठ पर मारी, जिससे चोंटे आई। पुलिस ने पति के खिलाफ के दर्ज किया।

मंदसौर को संभाग बनाओ आंदोलन: छठवें दिन पोस्टकार्ड अभियान में भावसार समाज ने की सहभागिता

मंदसौर, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर को संभाग बनाने की मांग समयोचित और न्याय संगत है। हर पहलू से मंदसौर संभाग बनने की क्षमता रखता है।

ये विचार दशपुर भावसार समाज के अध्यक्ष महेश भावसार ने व्यक्त किए। वे मंदसौर नागरिक मंच आप और हम के तत्वावधान में मंदसौर को संभाग बनाने के आंदोलन के अंतर्गत चल रहे पोस्टकार्ड अभियान के छठवें दिवस गांधी संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मंदसौर को हमेशा उपेक्षित किया जाता रहा है। इस बार हूंकार बडी है।मंदसौर वासी हर हाल में अपना अधिकार प्राप्त कर के रहेंगे।गांधी चौराहा पर दशपुर भावसार समाज ने पोस्टकार्ड अभियान में सहभागिता निभाई। पूर्व पार्षद सुरेश भावसार ने कहा कि मंदसौर को हर सौगात संघर्ष से ही मिली है। ब्रॉडगेज रेलवे लाइन और मेडिकल कालेज के लिए बरसों तक संघर्ष चला। संभाग के लिए भी नगर वासी हर संभव संघर्ष करेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रतिदिन गांधी चौराहे पर प्रात: 10:00 बजे से 12:00 तक पोस्टकार्ड अभियान के जरिए आम जनों को प्रेरित किया जा रहा है कि वे मुख्यमंत्री के नाम पोस्टकार्ड पर एक लाइन लिखें कि मुख्यमंत्रीजी मंदसौर को संभाग बनाया जाए। इस पोस्टकार्ड अभियान में 5 हजार से अधिक पोस्टकार्ड अभी तक मुख्यमंत्री के नाम लिखे जा चुके हैं।आज यहां भावसार समाज के अध्यक्ष महेश भावसार तथा समाज जन सुरेश भावसार, ओमप्रकाश भावसार, श्याम भावसार, राकेश, हेमंत भावसार, महेश भावसार राजेंद्र भावसार, मांगीलाल भावसार मयंक भावसार आदि प्रमुख थे। एडवोकेट जयदेव सिंह चौहान और जयप्रकाश सोमानी आदि भी इस मुहीम में शामिल हुए।प्रतिदिन यहां अजीज उल्ला खान खालिद राधेश्याम मालवीय बंसीलाल टांक, सीमा चौरडिया अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

आज लायंस क्लब शामिल होगा पोस्टकार्ड अभियान में- मंदसौर नागरिक मंच के समन्वयक नरेन्द्र अग्रवाल और ब्रजेश जोशी ने बताया कि 8 अक्टूबर को लायंस क्लब द्वारा पोस्टकार्ड अभियान में सहभागिता निभाई जाएगी।

गरबा प्रांगण में भी चला पोस्टकार्ड अभियान- संजीत नाका क्षेत्र स्थित श्री सिद्धिविनायक गरबा उत्सव समिति के तत्वाधान में नवदुर्गा महोत्सव में आरती समारोह और गरबा महोत्सव के अंतर्गत मंदसौर को संभाग बनाने के लिए पोस्टकार्ड अभियान चलाया गया और यहां उपस्थित श्रद्धालुओं को संभाग बनाओ आंदोलन के तहत चल रहे पोस्टकार्ड अभियान में शामिल होने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर यहां मीडिया परिवार के सर्वश्री नरेंद्र अग्रवाल, ब्रजेश जोशी पुष्पराज सिंह राणा, नरेंद्र धनोतिया, मनीष पुरोहित, पं. अशोक त्रिपाठी राजेश पाठक, डॉ प्रीति पाल सिंह राणा, ब्रजेश आर्य, तथा पुष्पेंद्र भावसार, विजय सुराणा ब्रजेश मारोठिया विकास भंडारी सीए, कपिल भंडारी आदि भी उपस्थित थे।संचालन कन्हैया लाल सोनगरा ने किया आभार अर्जुन डाबर ने माना।

नीमच विधायक ने भी दिया मुहिम में शामिल होने का आश्वासन- संभाग बनाओ आंदोलन के संदर्भ में मंदसौर नागरिक मंच द्वारा सोमवार को नीमच के विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार से भी नीमच जाकर मुलाकात की और उन्हें मंदसौर को संभाग बनाओ आंदोलन के विषय से अवगत कराया गया। और उनसे यह चर्चा की गई कि नीमच जिला भी इस मुहीम में शामिल हों। श्री परिहार ने मंदसौर नागरिक मंच के समन्वयक नरेंद्र अग्रवाल और ब्रजेश जोशी को आश्वासन दिया कि वे नीमच जिले के विधायकों यहां के सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ताओं से चर्चा कर जल्द ही इस मुहिम में शामिल होने की रूपरेखा तैयार करेंगे। इस मौके पर दशपुर दशहरा समिति के अध्यक्ष डॉ भानुप्रताप सिंह भी उपस्थित थे।

स्कूलों में मध्यान्ह भोजन के लिए राशन का उठाव 5 तारीख तक शत-प्रतिशत करें-कलेक्टर

जल निगम स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों में पेयजल का कनेक्शन प्रदान करें, साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न

मंदसौर, 07 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन स्थित सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देश देते हुए कहा कि शिक्षा विभाग 1 से 5 तारीख तक मध्यान भोजन का शत प्रतिशत उठाव करें। मध्यान भोजन को लेकर किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। अगर कोई समस्या आ रही हो तो, उसका त्वरित समाधान करें। जल निगम स्कूलों एवं आंगनवाडियों में पेयजल कनेक्शन प्रदान करें। सोयाबीन उपार्जन पंजीयन का कार्य बहुत अच्छे से करें। खरीदी केंद्र पर आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करें। पीओ डूडा मूर्ति विसर्जन स्थलों का निरीक्षण करें वहां की व्यवस्था को और बेहतर करवाए। कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करें। रावण दहन के दौरान फायर ब्रिगेड एवं अन्य व्यवस्थाओं को चेक करें। नगर पालिका निराश्रित मवेशियों को पडकर गौशाला में छोडने एवं कुत्तों को पकडने और ट्रीटमेंट करने की कार्यवाहियां सतत चलने दे। सीएम हेल्पलाइन शिकायतो के समाधान के लिए विभाग वार कैंप लगाकर शिकायतों का निराकरण करें। शिकायतें संतुष्टिपूर्वक बंद होना चाहिए। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल सहित सभी जिला अधिकारी मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in